अनुबंध 4

स्थानीय क्षेत्र के बैंकों के लिए पूंजी पर्याप्तता - विवेकपूर्ण मानदंड (दिशानिर्देश), 2021 पर 26 अक्तूबर 2021 का मास्टर निदेश डीओआर.सीएपी.आरईसी.सं.61/21.01.002/2021-22:

<table>
<tr><th>क्र.सं.</th><th>संदर्भ पैरा</th><th>मौजूदा सार</th><th>आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक परिवर्तन मोड)</th></tr>
<tr>
<td>1</td>
<td>अनुबंध 6</td>
<td>.......
ई. वायदा दर करार (एफआरए)/ब्याज दर स्वैप (आईआरएस) के लिए जोखिम भार
न्यूनतम पूंजी अनुपात की गणना के लिए, एफआरए/आईआरएस के कारण जोखिम भारित आस्तियों की गणना नीचे निर्धारित दो चरणों की प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी:
चरण 1
प्रत्येक लिखत की कल्पित मूल राशि को नीचे दिए गए रूपांतरण कारक से गुणा किया जाएगा.:
<table>
<tr><th>मूल परिपक्वता</th><th>रूपांतरण कारक</th></tr>
<tr><td>एक वर्ष से कम</td><td>0.5 प्रतिशत</td></tr>
<tr><td>एक साल और दो साल से कम</td><td>1.0 प्रतिशत</td></tr>
<tr><td>प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए</td><td>1.0 प्रतिशत</td></tr>
</table>
चरण 2
इस प्रकार प्राप्त समायोजित मूल्य को संबंधित प्रतिपक्ष को आवंटित जोखिम भार से गुणा किया जाएगा जैसा कि नीचे विनिर्दिष्ट किया गया है:</td>
<td>.......
ई. वायदा दर करार (एफआरए)/ब्याज दर स्वैप (आईआरएस) और विदेशी विनिमय संविदाओं के लिए जोखिम भार
1. विदेशी मुद्रा संविदाओं में शामिल हैं- पारस्परिक मुद्रा स्वैप, वायदा विदेशी विनिमय संविदाएँ, मुद्रा फ्यूचर्स और समान प्रकृति की अन्य संविदाएँ।
2. 14 कैलेंडर दिनों या उससे कम की मूल परिपक्वता वाली विदेशी मुद्रा संविदाओं को, प्रतिपक्ष के बिना, "शून्य" जोखिम भार सौंपा जाएगा।
3. न्यूनतम पूंजी अनुपात की गणना के लिए, एफआरए/आईआरएस और विदेशी विनिमय संविदाओं के कारण जोखिम भारित आस्तियों की गणना नीचे निर्धारित दो चरणों की प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी:
ए) चरण 1: प्रत्येक लिखत की कल्पित मूल राशि को नीचे दिए गए रूपांतरण कारक से गुणा किया जाएगा:</td>
</tr>
</table>

क्र.सं.	संदर्भ पैरा	मौजूदा सार	आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक परिवर्तन मोड)

मौजूदा सार

प्रतिपक्ष	जोखिम भार
बैंक	20 प्रतिशत
केंद्र और राज्य सरकार	0 प्रतिशत
अन्य सभी	100 प्रतिशत

***एफ़.* विदेशी मुद्रा अनुबंधों के लिए सीआरएआर की गणना**

विदेशी विनिमय अनुबंधों में शामिल हैं- पारस्परिक मुद्रा ब्याज दर स्वैप, फॉरवर्ड विदेशी विनिमय संविदाएं, मुद्रा फ्यूचर्स और समान प्रकृति की अन्य संविदाएं।

14 कैलेंडर दिनों या उससे कम की मूल परिपक्वता वाली विदेशी विनिमय संविदाओं को, प्रतिपक्ष के बिना, "शून्य" जोखिम भार सौंपा जाएगा।

तुलन पत्र से इतर मदों के मामले में, नीचे निर्धारित दो चरणों की गणना लागू की जाएगी:

(ए) चरण 1 - प्रत्येक साधन की कल्पित मूल राशि को नीचे दिए गए रूपांतरण कारक से गुणा किया जाता है:

मूल परिपक्वता	रूपांतरण कारक
एक वर्ष से कम	2 प्रतिशत
एक साल और दो साल से कम	5 प्रतिशत
प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए	3 प्रतिशत

आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक परिवर्तन मोड)

मूल परिपक्वता	**रूपांतरण कारक**	
	ब्याज दर संविदा	विदेशी मुद्रा संविदा
एक वर्ष से कम	0.5 प्रतिशत	2.0 प्रतिशत
एक साल और दो साल से कम	1.0 प्रतिशत	5.0 प्रतिशत
प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए	1.0 प्रतिशत	3.0 प्रतिशत

जब इस संविदा के पैरा ई-4 में विनिर्दिष्ट प्रभावी द्विपक्षीय नेटिंग संविदा लागू होते हैं, तो रूपांतरण कारक, जैसा कि नीचे दी गई तालिका में उल्लेख किया गया है, लागू होंगे। [4]:

मूल परिपक्वता	**रूपांतरण कारक**	
	ब्याज दर संविदा	विदेशी विनिमय संविदा
एक वर्ष से कम	0.35 प्रतिशत	1.5 प्रतिशत
एक साल और दो साल से कम	0.75 प्रतिशत	3.75 प्रतिशत
प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए	0.75 प्रतिशत	2.25 प्रतिशत

बी) **चरण 2:** इस प्रकार प्राप्त समायोजित मूल्य को संबंधित

<table>
<tr><th>क्र.सं.</th><th>संदर्भ पैरा</th><th>मौजूदा सार</th><th>आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक परिवर्तन मोड)</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td>*(बी)* चरण 2 - इस प्रकार प्राप्त समायोजित मूल्य को संबंधित प्रतिपक्ष को आवंटित जोखिम भार आयु से गुणा किया जाएगा जैसा कि पैरा ई में चरण **2** में दिया गया है।</td><td>प्रतिपक्ष को आवंटित जोखिम भार से गुणा किया जाएगा जैसा कि नीचे विनिर्दिष्ट किया गया है:
<table><tr><th>प्रतिपक्ष</th><th>जोखिम भार</th></tr><tr><td>बैंक</td><td>20 प्रतिशत</td></tr><tr><td>केंद्र और राज्य सरकार</td><td>0 प्रतिशत</td></tr><tr><td>अन्य सभी</td><td>100 प्रतिशत</td></tr></table>
फुटनोट 4: ऋण एक्सपोजर की गणना के प्रयोजनों के लिए वायदा विदेशी विनिमय हेतु नेटिंग प्रतिपक्ष संविदाएं और अन्य समान संविदाएं जिनमें कल्पित मूलधन नकदी प्रवाह के बराबर है, मूल क्रेडिट रूपांतरण कारक (अर्थात, द्विपक्षीय नेटिंग के प्रभाव पर विचार किए बिना) को कल्पित मूलधन पर लागू किया जाना चाहिए, जिसे प्रत्येक मुद्रा में मूल्य तिथि पर देय शुद्ध प्राप्तियों के रूप में परिभाषित किया गया है । किसी भी मामले में उपरोक्त घटाए गए कारकों को निवल कल्पित राशियों पर लागू नहीं किया जाना चाहिए।

~~***एफ.* विदेशी मुद्रा अनुबंधों के लिए सीआरएआर की गणना**~~
~~विदेशी विनिमय अनुबंधों में शामिल हैं- पारस्परिक मुद्रा ब्याज दर स्वैप, फॉरवर्ड विदेशी विनिमय संविदाएं, मुद्रा फ्यूचर्स और समान प्रकृति की अन्य संविदाएं।~~
~~*14* कैलेंडर दिनों या उससे कम की मूल परिपक्वता वाली विदेशी विनिमय संविदाओं को, प्रतिपक्ष के बिना, "शून्य" जोखिम भार सौंपा~~</td></tr>
</table>

<table>
<tr><th>क्र.सं.</th><th>संदर्भ पैरा</th><th>मौजूदा सार</th><th>आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक परिवर्तन मोड)</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>जाएगा।
तुलन पत्र से इतर मदों के मामले में, नीचे निर्धारित दो चरणों की गणना लागू की जाएगी:
(ए) चरण 1 - प्रत्येक साधन की कल्पित मूल राशि को नीचे दिए गए रूपांतरण कारक से गुणा किया जाता है:
<table><tr><th>मूल परिपक्वता</th><th>रूपांतरण कारक</th></tr><tr><td>एक वर्ष से कम</td><td>2 प्रतिशत</td></tr><tr><td>एक साल और दो साल से कम</td><td>5 प्रतिशत</td></tr><tr><td>प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए</td><td>3 प्रतिशत</td></tr></table>
(बी) चरण 2 - इस प्रकार प्राप्त समायोजित मूल्य को संबंधित प्रतिपक्ष को आवंटित जोखिम भार आयु से गुणा किया जाएगा जैसा कि पैरा ई में चरण 2 में दिया गया है।

4. द्विपक्षीय नेटिंग अनुबंध की मान्यता की आवश्यकता:
(ए) बैंक नवीयन के अधीन लेन-देन को नेट कर सकते हैं जिसके तहत किसी बैंक और उसके प्रतिपक्ष के बीच किसी दिए गए मूल्य की तारीख पर किसी मुद्रा को सुपुर्दगी करने का कोई दायित्व, पिछले सकल दायित्वों के लिए विधिक रूप से एक एकल राशि को प्रतिस्थापित करते हुए, स्वचालित रूप से उसी मुद्रा और मूल्य</td></tr>
</table>

क्र.सं.	संदर्भ पैरा	मौजूदा सार	आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक परिवर्तन मोड)
			तिथि के लिए अन्य सभी दायित्वों के साथ समामेलित हो जाता है। (बी) बैंक किसी भी विधिक रूप से वैध द्विपक्षीय नेटिंग के अधीन लेन-देन भी कर सकते हैं, जो (ए) में शामिल नहीं है, जिसमें अन्य प्रकार के नवीयन भी शामिल हैं। (सी) दोनों मामलों (ए) और (बी) में, बैंक को शर्तें पूरा करने की आवश्यकता होगी कि उसके पास है कि: (i) प्रतिपक्ष के साथ एक नेटिंग संविदा या करार जो एक एकल विधिक दायित्व बनाता है, जिसमें सभी सम्मिलित लेनदेन शामिल हैं, जैसे प्रतिपक्ष निम्नलिखित में से किसी भी कारण प्रदर्शन करने में विफल होने की स्थिति में बैंक के पास सम्मिलित व्यक्तिगत लेनदेन के सकारात्मक और नकारात्मक मार्क-टू-मार्केट मूल्यों की केवल निवल राशि का भुगतान करने का दावा या दायित्व होगा: चूक, दिवालियापन, परिसमापन या इसी तरह की परिस्थितियां: (ii) लिखित और तर्कसंगत विधिक राय है कि, विधिक चुनौती की स्थिति में, संबंधित अदालतों और प्रशासनिक अधिकारियों को बैंक का एक्सपोजर इस तरह की निवल राशि के तहत मिलेगा: • अधिकार क्षेत्र की विधि जिसमें प्रतिपक्ष चार्टर्ड है और, यदि प्रतिपक्ष की विदेशी शाखा शामिल है, फिर उस अधिकार क्षेत्र की विधि के तहत भी, जिसमें शाखा स्थित है;

क्र.सं.	संदर्भ पैरा	मौजूदा सार	आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक परिवर्तन मोड)
			• व्यक्तिगत लेनदेन को नियंत्रित करने वाली विधि; और • नेटिंग को प्रभावित करने के लिए आवश्यक किसी भी संविदा या करार को नियंत्रित करने वाली विधि। (iii) प्रासंगिक विधि में संभावित परिवर्तनों के आलोक में नेटिंग व्यवस्था की विधिक विशेषताओं की समीक्षा के लिए सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रियाएं। (डी) विनिर्गम खंड (वॉकअवे क्लॉज) वाली संविदा इन दिशानिर्देशों के तहत पूंजी आवश्यकताओं की गणना के उद्देश्य से नेटिंग के लिए पात्र नहीं होंगे। विनिर्गम खंड एक ऐसा प्रावधान है जो एक गैर-चूककर्ता प्रतिपक्ष को एक चूककर्ता की संपत्ति को केवल सीमित भुगतान या कोई भुगतान नहीं करने की अनुमति देता है, भले ही चूककर्ता निवल लेनदार ही क्यों न हो।